

पोर्ट ब्लेयर में चुम्बकीय वेधशाला

659. श्री राम सहाय : क्या नागरिक विमान चालन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि जो चुम्बकीय वेधशाला पोर्टब्लेयर में स्थापित की जानी थी, क्या वह स्थापित की जा चुकी है ; और यदि नहीं तो कब तक इसके स्थापित किये जाने की संभावना है और इस दिशा में अब तक क्या प्रगति हुई है ?

•{[MAGNETIC OBSERVATORY AT PORT BLAIR

659. SHRI RAM SAHAI: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state whether the magnetic observatory which was proposed to be set up at Port Blair has since been set up; and if not, by when it is expected to be set up and what progress has so far been made in this direction?]

परिवहन मंत्री (श्री राज बहादुर) : जी, नहीं । चुम्बकीय वेधशाला के लिए स्थान चुन लिया गया है । स्टाफ क्वार्टरों के लिए प्रारम्भिक प्राक्कलन प्राप्त हो गये हैं जेकिन आफिस और विशेष डिजाइन के अ-चुम्बकीय कमरों के प्राक्कलनों की अभी तक प्रतीक्षा की जा रही है । वेधशाला की स्थापना के लिए कोई निश्चित तारीख बताना संभव नहीं है ।

f [THE MINISTER OF TRANSPORT (SHRI RAJ BAHADUR): NO. The site for the magnetic observatory has been selected. Preliminary estimates for staff quarters have been received but estimates for the office and non-magnetic rooms of special design, are still awaited. It is not possible to give any definite date for the setting up of the observatory.]

‡रासायनिक खाद का उत्पादन और वितरण

423. श्री भगवत नारायण भायंत : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की

कृपा करेंगे कि रासायनिक खाद के उत्पादन और वितरण सम्बन्धी समस्याओं का अध्ययन करने के लिए जो दल अभी हाल में जापान, ब्रिटेन और अमरीका गया था, उस के द्वारा सरकार को दिये गये प्रतिवेदन की मुख्य मुख्य बातें क्या हैं ?

■HTPRODUCTION AND DISTRIBUTION OF FERTILISERS 423. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state what are the main features of the report submitted to Government by the team which recently visited Japan, tin United Kingdom and the United States of America to study the problems connected with the production and distribution of fertilizers?]

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में उा मंत्रों (श्री शाहनवाज खां) : अभी तक दल ने अपनी रिपोर्ट पेश नहीं की है ।

f[THE DEPUTY MINISTER m THE MINISTRY OP FOOD AND AGRICULTURE (SHRI SHAH NAWAZ KHAN): The team have not yet submitted their report.]

#### \$ZARI INDUSTRY

440. SHRI RAM SINGH: Will the Minister of SOCIAL SECURITY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Zari industry is facing grave problem owing to shortage of copper and gold;

(b) whether Government have received any appeal for help from those who are engaged in this industry; and

(c) what steps Government propose to take to meet the requirements of this industry?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY or LAW (SHRI JAGANATH RAO): (a) and (b) Yes.

(c) In Gujarat, where the Zari industry is concentrated, a system of distributing copper wire to the indus-

try is in operation and working successfully. As the allotment of copper in the State is not sufficient to meet the needs of the industry, the Ministry of Industry and Supply has been requested to make an annual special allotment of 400 tons exclusively for the zari industry.

Soon after the promulgation of the Gold Control Order, zari thread manufacturers were allowed to purchase 50 grams of gold. At present zari thread manufacturers get 50 per cent of their average annual proved consumption of gold during 1960, 1961 and 1962. The Gold Control Administration has agreed to give an additional 10 per cent of gold to exporters of zari.

Under the scheme for the promotion of the export of zari, manufacturer exporters are 'entitled to import copper and some other raw materials up to 30 per cent of the f.o.b. value of their exports of zari goods.

‡दिल्ली में दस्तकारों की दयनीय बशा

455. श्री राम सहाय : क्या सामाजिक सुरक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उनका ध्यान 14 अगस्त 1965 के 'नवभारत टाइम्स' में दिल्ली में दस्तकारों की दयनीय दशा के सम्बन्ध में प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ; और

(ख) यदि हां, तो सरकार दस्तकारी की दयनीय दशा को सुधारने के लिये क्या कार्यवाही कर रही है ?

-j-[^PITIABLE CONDITION OF CRAFTSMEN IN DELHI

455. SHRI RAM SAHAI: Will the Minister of SOCIAL SECURITY be pleased to state:

(a) whether his attention has been\* drawn to a news item published in the "Nav Bharat Times" dated the 14th August, 1965 about the pitiable condition of craftsmen in Delhi; and

(b) if so, what steps are being taken by Government to ameliorate the pitiable condition of the craftsmen?]

विधि मंत्रालय में उपमंत्री (श्री जगन्नाथ राव) : (क) तथा (ख) दस्तकारी उद्योगों में, जैसे कि लकड़ी का काम तथा लकड़ी के खिलौने बनाने, कपड़ों पर हाथ से छपाई करने, मिट्टी के बर्तन बनाने, हाथी दांत पर नक्काशी करने और जेवरों बनाने, लगे दस्तकारों की आर्थिक दशा किसी भी हालत में बिगड़ी प्रतीत नहीं होती है। बल्कि वे 15 से 20 साल पहले की मजदूरी की अपेक्षा अब काफी अधिक मजदूरी कमाने लगे हैं, जैसा कि नीचे दी गयी सारिणी से प्रतीत होगा :—

दस्तकारी का नाम	15 से 20 साल पहले की दैनिक मजदूरी की दर	दैनिक मजदूरी की वर्तमान दर
-----------------	---	----------------------------

(1) लकड़ी का काम तथा लकड़ी के खिलौने बनाना	0.75 रु० से 1.00 रु०	4.00 रुपए से 8.00 रुपए
(2) कपड़ों पर हाथ से छपाई	0.50 रु० से 1.50 रु०	2.50 रु० से 6.00 रु०
(3) मिट्टी के बर्तन बनाना	0.50 रु० से 0.75 रु०	1.50 रु० से 2.50 रु०

† [ ] English translation.

‡ Transferred from the 2nd September, 1965.